

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 290 | श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए



ज़िला अस्पताल, गाराचरामा में नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन, स्वास्थ्य सुविधाओं को मिली नई मजबूती







श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के श्री विजय पुरम स्थित ज़िला अस्पताल, गाराचरामा में नवनिर्मित अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर माननीय उप राज्यपाल ने विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के लिए 8 वेंटिलेटर और 3 पोर्टेबल हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीनों का औपचारिक हस्तांतरण भी किया। ये उपकरण दूरस्थ क्षेत्रों में नैदानिक और गहन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करेंगे।

उद्घाटन के पश्चात परिसर में निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट ब्लॉक के विस्तार कार्यों का निरीक्षण किया तथा कार्य को गुणवत्ता के साथ त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर के शुरू होने से दक्षिण अण्डमान ज़िले के लोगों के लिए शल्य चिकित्सा एवं प्रसूति सेवाएं और अधिक सशक्त एवं सुलभ होंगी, जिससे उच्चतर केंद्रों में अनावश्यक रेफरल में कमी आएगी।



इस अवसर पर माननीय उप राज्यपाल ने उपस्थित डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण की सराहना करते हुए बधाई दी। इस अवसर पर द्वीपों के माननीय सांसद, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव, आयुक्त–सह–सचिव (स्वास्थ्य), सचिव (स्वास्थ्य), उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान, पुलिस अधीक्षक, दक्षिण अण्डमान तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



लोक निवास, श्री विजय पुरम में माननीय उप राज्यपाल से विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने शिष्टाचार भेंट की









श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक, वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) बिस्वजीत दासगुप्ता ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से शिष्टाचार भेंट कर द्वीपसमूह की समुद्री सुरक्षा, सामरिक तैयारियों और समन्वय से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

इसी क्रम में रियर एडमिरल अमित गुरबक्सानी, (नौसेना मेडल) मुख्य प्रशिक्षक (नौसेना) ने भी शिष्टाचार भेंट की। इसके उपरांत विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उप राज्यपाल महोदय से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान द्वीपसमूह में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने से संबंधित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

इसी अनुक्रम में पं. संजय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पुरोहित समिति, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उप राज्यपाल महोदय से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने द्वीपसमूह में सनातन संस्कृति के गौरवशाली इतिहास, धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों से माननीय उप राज्यपाल महोदय को अवगत कराया।

द्वीपों के माननीय उप राज्यपाल द्वारा जनता दर्शन का आयोजन आज

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा शुक्रवार 30 अक्टूबर, 2026 को दोपहर 12 बजे से लोक निवास में जनता–दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सभी पंजीकृत प्रतिभागियों से अनुरोध किया जाता है कि वे प्रातः 10.30 बजे से 11 बजे के बीच लोक निवास पहुँचें। दक्षिण अण्डमान ज़िले के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति में लोक निवास में प्रवेश हेतु सभी पंजीकृत प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ वैध फोटो पहचान–पत्र तथा क्यूआर कोड युक्त पंजीकरण पर्ची अनिवार्य रूप से लेकर आएँ।

पटाखों की उचित कीमत एवं सुरक्षित बिक्री सुनिश्चित करने हेतु थोक विक्रेताओं और संबंधित हितधारकों के साथ बैठक हुई

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के निर्देशानुसार, पटाखों की उचित कीमत एवं सुरक्षित बिक्री सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर को शाम 5 बजे उपायुक्त (दक्षिण अण्डमान) के सम्मेलन कक्ष में अपर ज़िला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में पटाखों के थोक विक्रेताओं एवं संबंधित हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान थोक विक्रेताओं ने द्वीपसमूह में पटाखों की आपूर्ति से संबंधित लॉजिस्टिक चुनौतियों तथा परिवहन की बढ़ती लागत के संबंध में अपनी समस्याएँ रखीं।

अपर ज़िला मजिस्ट्रेट ने सभी थोक विक्रेताओं को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का कड़ाई से पालन करने तथा विस्फोटक नियमावली और निर्धारित सुरक्षा मानकों के सभी लागू प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



शेष पृष्ठ 4 पर

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर मनेगा 'राष्ट्रीय एकता दिवस' 31 अक्टूबर को

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का खेल एवं युवा कार्य विभाग, प्रशासन के विभिन्न संबंधित विभागों, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी), ज़िला परिषद तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस–2026' मनाएगा। यह दिवस भारत के लौह पुरुष के नाम से प्रसिद्ध सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं आपसी सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर 31 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे नेताजी स्टेडियम से कार्बाइंस कोव तक और वापस नेताजी स्टेडियम तक एक खुली साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली का उद्देश्य आम जनता के बीच एकता, शारीरिक फिटनेस तथा सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

इसके अतिरिक्त, इसी दिन शाम 6 बजे 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शिक्षा विभाग तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 500 विद्यार्थियों के भाग लेने की संभावना है। यह दौड़ नेताजी स्टेडियम से प्रारंभ होकर कार्बाइंस कोव तक जाएगी और वहाँ से वापस नेताजी स्टेडियम लौटेगी।

प्राप्त विज्ञप्ति में खेल एवं युवा कार्य विभाग ने विद्यार्थियों, युवाओं तथा आम जनता से इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने और राष्ट्रीय एकता एवं सामूहिक सद्भाव की भावना को मजबूत बनाने में योगदान देने का आह्वान किया है।

त्योहारों के मौसम में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग की अपील

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के निर्देशानुसार, खाद्य सुरक्षा विभाग ने आगामी त्योहारों के मौसम में आम जनता से मिठाइयाँ एवं अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय सतर्क रहने की अपील की है। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे खाद्य पदार्थ केवल लाइसेंस प्राप्त या पंजीकृत खाद्य कारोबार संचालकों (एफबीओ) से ही खरीदें। पहले से पैक किए गए खाद्य उत्पादों को खरीदने से पूर्व उनके लेबल पर दी गई जानकारी, विशेषकर पैकिंग की तिथि, समाप्ति तिथि तथा अन्य अनिवार्य विवरणों की जाँच अवश्य करें।

सभी मिठाई निर्माताओं एवं खाद्य विक्रेताओं को निर्देश दिया गया है कि वे मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री से तैयार करें तथा निर्धारित अच्छी विनिर्माण प्रथाओं (जीएमपी) और अच्छी स्वच्छता प्रथाओं (जीएचपी) का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, अच्छी गुणवत्ता वाले खोया का उपयोग करें तथा केवल अनुमत खाद्य रंगों का निर्धारित सीमा के भीतर ही इस्तेमाल करें। तैयार मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को उचित स्वच्छ परिस्थितियों में संग्रहित एवं प्रदर्शित किया जाए तथा उन्हें दूषित होने से बचाने के लिए पर्याप्त रूप से ढककर रखा

शेष पृष्ठ 4 पर

C M Y K

पटाखों की उचित कीमत एवं सुरक्षित ——————————पृष्ठ 1 का शेष

उन्होंने स्पष्ट किया कि विस्फोटक नियमावली का उल्लंघन करने अथवा अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत पर पटाखे बेचने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध लागू कानूनों एवं नियमों के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ज़िला प्रशासन से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ज़िला प्रशासन उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने, उचित मूल्य सुनिश्चित करने तथा जनसुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। नागरिकों से अपील की जाती है कि वे पटाखे खरीदते समय उन पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की जाँच करें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या उल्लंघन की सूचना सक्षम अधिकारियों को दें।

त्योहारों के मौसम में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य ——————————पृष्ठ 1 का शेष

जाए। खाद्य कारोबार संचालकों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उपभोक्ताओं को बिक्री के लिए केवल ताज़ा, गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ ही उपलब्ध कराए जाएँ।

त्योहारों के मौसम के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं के अनुपालन की जाँच करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में मिठाई निर्माण इकाइयों, मिठाई की दुकानों, बेकरी, बेकहाउस तथा अन्य खाद्य प्रसंस्करण एवं बिक्री प्रतिष्ठानों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा।

संयुक्त निदेशक (खाद्य सुरक्षा) से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार खाद्य सुरक्षा आयुक्त, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह सह उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान ने सभी मिठाई निर्माण एवं बिक्री इकाइयों, बेकरी, बेकहाउस तथा अन्य खाद्य कारोबार संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी है। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार का उल्लंघन पाए जाने पर अधिनियम एवं संबंधित नियमों तथा विनियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आम जनता से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के किसी भी संदिग्ध उल्लंघन की सूचना खाद्य सुरक्षा विभाग के दूरभाष नंबर 236112 अथवा ज़िला आपातकालीन नियंत्रण कक्ष के टोल–फ्री नंबर 1070 पर दें।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने संयुक्त तटीय सुरक्षा अभ्यास "सागर कवच–02/26" में लिया भाग





श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 27 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 6 बजे से 28 अक्टूबर, 2026 को सायं 6 बजे तक आयोजित तटीय सुरक्षा अभ्यास "सागर कवच–02/26" सभी संबंधित एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी एवं आपसी समन्वय के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य समुद्र की ओर से रेड फोर्स के तत्वों द्वारा घुसपैठ के प्रयासों तथा भूमि पर स्थित महत्वपूर्ण क्षेत्रों व महत्वपूर्ण स्थलों (वीए/वीपी) पर काल्पनिक हमलों का अनुकरण करके मौजूदा तटीय सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन करना था। अभ्यास के दौरान विभिन्न परिचालन परिस्थितियों का परीक्षण किया गया, ताकि समुद्री एवं तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय तथा निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जा सके। अभ्यास के दौरान घुसपैठ का प्रयास कर रहे रेड फोर्स के काल्पनिक तत्वों का ज़िला पुलिस एवं पीएमएफ इकाई द्वारा सफलतापूर्वक पता लगाया गया तथा उन्हें पकड़ लिया गया। इससे मौजूदा तटीय सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रतिक्रिया तंत्र की प्रभावशीलता प्रदर्शित हुई।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में जनशक्ति एवं संसाधनों की प्रभावी तैनाती के माध्यम से उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और व्यावसायिक दक्षता का प्रदर्शन करते हुए इस अभ्यास के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस कर्मियों को चिह्नित महत्वपूर्ण क्षेत्रों/स्थलों (वीए/वीपी) तथा तटीय क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया। वहीं, उपलब्ध समुद्री संसाधनों का उपयोग अभ्यास की अवधि के दौरान व्यापक तटीय गश्त एवं निगरानी अभियानों के लिए सक्रिय रूप से किया गया। पुलिस अधीक्षक, पुलिस समुद्री बल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अभ्यास के दौरान सभी सहभागी एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय देखने को मिला। इससे केंद्रशासित प्रदेश की तटीय सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हुई तथा संभावित समुद्री सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए उच्चस्तरीय तैयारियों को मजबूती मिली।

सहायक आयुक्त ने सागर द्वीप का दौरा कर जेटी से गांव तक संपर्क मार्ग हेतु संयुक्त सर्वेक्षण किया

डिगलीपुर, 29 अक्टूबर।

उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर के सहायक आयुक्त श्री संतोष प्रकाश ने आज वन विभाग, पुलिस विभाग तथा अण्डमान लक्षद्वीप बंदरगाह संकर्म (एएलएचडब्ल्यू) के अधिकारियों के साथ सागर द्वीप गांव का दौरा किया। इस दौरान नई जेटी को गांव की आबादी से जोड़ने वाली भूमि का संयुक्त सर्वेक्षण किया गया।

संयुक्त सर्वेक्षण का उद्देश्य स्थल की मौजूदा स्थिति का आकलन करना तथा नई जेटी से गांव की आबादी तक संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से बीच की भूमि का निरीक्षण करना था। संबंधित विभागों के अधिकारियों की सहभागिता से स्थल का समन्वित आकलन सुनिश्चित करने और इस संबंध में आगे की आवश्यक कार्रवाई को सुगम बनाने का प्रयास किया गया।

दौरे के दौरान सहायक आयुक्त ने गांव में स्थित विभिन्न जनसेवा संस्थानों का भी निरीक्षण किया। इनमें पुलिस आउटपोस्ट, उप–स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी केंद्र तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सागर द्वीप शामिल थे। निरीक्षण का उद्देश्य इन संस्थानों के कामकाज की जानकारी लेना तथा स्थानीय निवासियों को उपलब्ध कराई जा रही आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता और वितरण का आकलन करना था।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार राजकीय माध्यमिक विद्यालय,



सागर द्वीप में सहायक आयुक्त ने विद्यार्थियों से बातचीत की और उनके शैक्षणिक अनुभवों तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मध्याह्न भोजन की व्यवस्था के संबंध में भी पूछताछ की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विद्यालय की रसोई का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों को दिए जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जाँच की।

इस दौरे के दौरान संबंधित ग्राम पंचायत के पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सदस्य भी डिगलीपुर के सहायक आयुक्त के साथ उपस्थित रहे।

मरीना पार्क में भव्य एसएचजी मेला 30 अक्टूबर से

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

ग्रामीण विकास निदेशालय के तत्वावधान में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा दीपावली के अवसर पर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक यहां के मरीना पार्क में भव्य दीपावली स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला प्रतिदिन शाम 3 बजे से रात्रि 9 बजे तक मरीना पार्क क्षेत्र में आयोजित होगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस उत्सवी मेले में दीपावली के अवसर पर द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों की अनूठी एवं आकर्षक कृतियों और उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

आम जनता से अपील की गई है कि वे मेले में आकर ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों का समर्थन करें। मेले से की जाने वाली खरीदारी के माध्यम से स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

द्वीपों में विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर को

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

सेवा भारती द्वारा नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइज़ेशन (एनएमओ), दक्षिण बंगाल के सहयोग से 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर, 2026 को दक्षिण अण्डमान, शहीद द्वीप तथा लिटिल अण्डमान के विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 31 अक्टूबर को ब्रुक्शाबाद कम्युनिटी हॉल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), शहीद द्वीप, शोल बे कम्युनिटी हॉल तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हटबे में चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं, 1 नवंबर को हैडो दुर्गा मंदिर तथा ओल्ड पहाड़गाँव स्थित तेलुगु बस्ती में शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव है। सभी शिविर प्रातः 9.30 बजे से शुरू होंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन शिविरों में सामान्य चिकित्सा, सामान्य शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग, नेत्र रोग, श्वसन रोग तथा स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा परामर्श प्रदान करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, दोनों दिन जी.बी. पंत अस्पताल में प्लास्टिक सर्जरी संबंधी विशेषज्ञ परामर्श की भी व्यवस्था प्रस्तावित है।

जेएनआरएम में साइबर सुरक्षा जागरूकता संपन्न

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजय पुरम के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता माह 2026 का समापन समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस समारोह के साथ विद्यार्थियों के बीच साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता तथा ज़िम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित शैक्षणिक एवं संवादात्मक गतिविधियों की श्रृंखला का समापन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ जेएनआरएम के कंप्यूटर विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मुक्ता जगदीश के स्वागत एवं प्रारंभिक संबोधन से हुआ। उन्होंने अतिथियों, संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने साइबर सुरक्षा जागरूकता माह 2026 के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए साइबर खतरों, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा गोपनीयता तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूकता के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों, जिनमें भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण, प्रश्नोत्तरी, पासवर्ड हंट तथा लघु फिल्म प्रतियोगिताएँ शामिल थीं, की जानकारी भी दी। जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने समारोह की शोभा बढ़ाई तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से ज़िम्मेदार डिजिटल आदतें विकसित करने, उभरते साइबर खतरों के प्रति सतर्क रहने तथा प्रौद्योगिकी का सुरक्षित एवं नैतिक रूप से उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सार्थक गतिविधियों की सराहना की, जिन्होंने शैक्षणिक ज्ञान को व्यावहारिक डिजिटल सुरक्षा जागरूकता से जोड़ने का कार्य किया।

इस अवसर पर सीएसएल अण्डमान शिप रिपेयर यूनिट



(सीएएनएसआरयू) के उप महाप्रबंधक श्री श्रीकांत वी. तथा सहायक महाप्रबंधक श्री बिनु के. कुरियाकोस भी उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री श्रीकांत वी. ने प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता वाले वर्तमान विश्व में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने साइबर सुरक्षा के प्रति अधिक जागरूकता, निवारक उपायों तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़िम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अतिरिक्त, अबर्डीन बाज़ार, श्री विजय पुरम स्थित अपराध शाखा के उप निरीक्षक श्री ए. संतोष ने विद्यार्थियों के लिए "समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा" विषय पर पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समापन समारोह का एक प्रमुख आकर्षण विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण–पत्र प्रदान करना रहा। सीएसएल अण्डमान शिप रिपेयर यूनिट (सीएएनएसआरयू) के उप महाप्रबंधक श्री श्रीकांत वी. तथा जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने संयुक्त रूप से विजेता विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, रचनात्मकता एवं सहभागिता के सम्मान में प्रमाण–पत्र प्रदान किए।

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के मद्देनज़र 29 से 31 अक्टूबर तक यातायात मार्ग परिवर्तन

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम संख्या 59) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा प्रशासन की दिनांक 10 मार्च, 2008 की अधिसूचना के साथ पठित, ज़िलाधीश, दक्षिण अण्डमान द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि दिनांक 31 अक्टूबर, 2026 को राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, श्री विजय पुरम में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस द्वारा आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के मद्देनज़र, धर्मशाला (एसवीपीएमसी) से राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होते हुए आर.के. मिशन ट्रैफिक पॉइंट तक के मार्ग पर निम्नलिखित समयावधियों के दौरान यातायात का मार्ग परिवर्तन तथा आम जनता की आवाजाही का विनियमन लागू किया जाएगा।

क्र.सं.	दिनांक	समय
1.	29.10.2026 एवं 30.10.2026	प्रातः 7 बजे से सुबह 8.30 बजे तक तथा दोपहर 2.30 बजे से शाम 4 बजे तक।
2.	31.10.2026	दोपहर 2.30 बजे से शाम 4 बजे

उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान से प्राप्त अधिसूचना में परेड के पूर्वाभ्यास एवं अंतिम कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने हेतु आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें तथा यातायात संबंधी नियमों एवं निर्देशों का पालन करें।

दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं पर जागरूकता–सह–अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, ब्रुक्शाबाद द्वारा आज ग्रामीण विकास निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016, दिव्यांगजनों के लिए सरकारी योजनाएँ एवं पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की भूमिका' विषय पर जागरूकता–सह–अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'अधिकारों को जानें, योजनाओं का लाभ उठाएँ और दिव्यांगजनों को सशक्त बनाएँ' विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानों एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को दिव्यांगजनों के अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, पुनर्वास सेवाओं तथा दिव्यांगजनों के समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. अपूर्व शर्मा ने अपने संबोधन में कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने तथा समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में ज़मीनी स्तर की संस्थाओं और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के महत्व पर प्रकाश डाला।

समग्र क्षेत्रीय केंद्र, अण्डमान तथा निकोबार की निदेशक श्रीमती सुमिथामोल एस. ने दिव्यांगता के प्रति जागरूकता, पुनर्वास सेवाओं तथा दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में पंचायती राज संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में दिव्यांगजनों के अधिकारों, पुनर्वास सेवाओं तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। समग्र क्षेत्रीय केंद्र, अण्डमान तथा निकोबार के विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री किशोर कुमार साहा ने 'सीआरसी अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह और इसकी गतिविधियाँ' तथा 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 और 21 निर्दिष्ट दिव्यांगताओं का परिचय' विषयों पर सत्र आयोजित किए। उन्होंने केंद्र की गतिविधियों, पुनर्वास सेवाओं, दिव्यांगजनों के अधिकारों तथा उन्हें प्राप्त सुविधाओं और लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सीआरसी, अण्डमान तथा निकोबार की पुनर्वास अधिकारी श्रीमती सारन्या आर. के. ने 'दिव्यांगजनों की पहचान, संदर्भन तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना' विषय पर सत्र संचालित किया। सीआरसी, अण्डमान तथा निकोबार



के प्रशासनिक अधिकारी श्री बिस्वजीत रॉय ने 'दिव्यांगजनों के समावेशन में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका एवं ज़िम्मेदारियाँ' विषय पर जानकारी दी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के अंत में आयोजित संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों को दिव्यांगजनों के अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा पंचायती राज संस्थाओं की ज़िम्मेदारियों से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान करने का अवसर मिला।

डिगलीपुर शैक्षिक अंचल के अंतर्गत लगी क्षेत्रीय स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी

डिगलीपुर, 29 अक्टूबर।

उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर शैक्षिक अंचल द्वारा 29 अक्टूबर, 2026 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, डिगलीपुर में क्षेत्रीय स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी (बाल विज्ञान प्रदर्शनी)–2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9.30 बजे हुआ। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, नवाचार तथा प्रयोगात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर डिगलीपुर के प्रभागीय वन अधिकारी श्री विशाल सिंह, भा.व.से., मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में डिगलीपुर की ज़िला शिक्षा अधिकारी डॉ. सी. पुष्पवल्ली ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा आयोजन समिति के बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान संबंधी प्रोजेक्ट, कला एवं शिल्प के मॉडल तथा औषधीय पौधों सहित विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी सामग्री प्रस्तुत की गई। इन प्रदर्शों में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, नवीन विचारों, वैज्ञानिक समझ तथा ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग की झलक देखने को मिली।

प्रदर्शों के मूल्यांकन के लिए वन विभाग, चिकित्सा विभाग, पॉलिटेक्निक तथा अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) के विशेषज्ञों का एक निर्णायक मंडल आमंत्रित किया गया। निर्णायकों ने वैज्ञानिक प्रासंगिकता, मौलिकता, रचनात्मकता, व्यावहारिक उपयोगिता तथा



प्रस्तुतीकरण के आधार पर प्रदर्शों का मूल्यांकन किया।

मुख्य अतिथि श्री विशाल सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के प्रयासों एवं उत्साह की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को नए विचार विकसित करने, प्रयोगात्मक परियोजनाओं पर कार्य करने तथा वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए नवीन दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने सीखने की प्रक्रिया में वैज्ञानिक सोच, प्रयोग तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता के महत्व पर भी ज़ोर दिया।

यहाँ प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, विचारों का आदान–प्रदान करने तथा वैज्ञानिक जिज्ञासा एवं नवाचार की भावना विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम का समापन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, डिगलीपुर के स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी) श्री शुभेंदु हलदर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी

श्री विजय पुरम, 29 अक्टूबर।

विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है कि निवारक रखरखाव कार्य के तहत गाराचरामा सब–स्टेशन में स्थापित पावर ट्रांसफॉर्मरों के ऑयल फिल्ट्रेशन कार्य के लिए श्री विजय पुरम के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। इसके अतिरिक्त, एबीएस मुर्दा खाड़ी के डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर स्ट्रक्चर तथा सोलर प्लांट के निकट 11 केवी एचटी एबीसी केबल का रखरखाव कार्य भी किया जाएगा। गाराचरामा फीडर के तहत लक्ष्मी मोटर, शिवाजी कॉलोनी, टीआर हाउसिंग, एमआर हाउसिंग, गाराचरामा बस्ती, सूज़न रोज़, गाराचरामा मेडिकल, काली मंदिर, टीटीआई रोड, पम्प हाउस, मुर्दाखाड़ी, आईएमएफसी तथा गाराचरामा फीडर का पूरा इलाका, चिड़ियाटापू फीडर के तहत प्रोथरापुर, अस्टीनाबाद, मारियमा मंदिर क्षेत्र, पत्थरगढङ्ग के भाग, उम्मत पब्लिक स्कूल के निकटवर्ती क्षेत्र, ब्रिचगंज, ब्रुक्शाबाद, अन्नानगर, बर्मानाला, रंगाचांग, कोड़ियाघाट, पीटीएस, चिड़ियाटापू तथा बिड़नाबाद के भाग और ब्रुक्शाबाद फीडर के तहत बर्ड लाइन, महावीर नगर, कामराज नगर, बिड़नाबाद, रंगाचांग, बर्मानाला तथा चिड़ियाटापू आदि क्षेत्रों में शनिवार 31 अक्टूबर, 2026 को सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय
श्री विजय पुरम, दिनांक 21 अक्टूबर, 2026

अधिसूचना

सं. 277/2026/34-1057/2026-Rev- अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह सोसाइटी पंजीकरण विनियम, 2026 (2026 का सं.11) की धारा 1 की उप–धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उप राज्यपाल (प्रशासक), संघ राज्यक्षेत्र अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा 15 नवम्बर, 2026 को उक्त विनियम के प्रवृत्त होने की नियत तिथि घोषित करते हैं। भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग ।।, खंड 1 में प्रकाशित अधोलिखित विनियम को आम जनता की सूचना हेतु एतदद्वारा पुनः प्रकाशित किया जाता है।

डॉ. दिनेश शर्मा
उप राज्यपाल,
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह।

उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के आदेश से तथा उनके नाम पर

ह./–
सहायक सचिव (राजस्व)
अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन

MINISTRYOFLAWANDJUSTICE
(Legislative Department)
New Delhi, the 27thAugust, 2026/Bhadra 5, 1948 (Saka)

THE ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS REGISTRATION OF SOCIETIES REGULATION, 2026
No.11 of 2026

PromulgatedbythePresidentintheSeventy-seventhYearoftheRepublic of India.

A Regulation to consolidate the law relating to the registration and regulation of societies in the Union territory of Andaman and Nicobar Islands for promotion of art, fine arts, charity, craft, culture, education, literature, philosophy, political education, religion, sports, science, any public or charitable purpose andf or matters connected there with or incidental there to.

In exercise of the powers conferred by article 240 of the Constitution, the President is pleased to promulgate the following Regulation made by her:--

CHAPTER I PRELIMINARY

1.(1)This Regulation may be called the Andaman and Nicobarl slands Registration of Societies Regulation, 2026.
(2)It extends to the whole of the Union territory of Andaman and Nicobar Islands.
(3)It shall come into force on such date,as the Administrator may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2.In this Regulation, unless the context otherwise requires,-
(a)"Administrator" means the Administrator of the Union territory of Andaman and Nicobar Islands appointed by the President under article 239 of the Constitution;
(b)"bye-laws" means the bye-laws of a society;
(c)"document" includes register of members, books of account, returns, annual returns, other statutory registers, summons, notice, requisition, order, other legal processes, whether issued or kept in pursuance of this Regulation or any other law for the time being in force in the Union territory of Andaman and Nicobar Islands;
(d)"financial year" means the period commencing from the 1st day of April of a year and ending with the 31st day of March of the following year;
(e)"General Body" means the body of all members of a society;
(f)"Governing Body" means the Executive Committee or the Managing Committee constituted or elected by the members of the General Body and responsible for the management of day-to-day affairs of the society;
(g)"Government" means the Administration of the Andaman and Nicobar Islands headed by the Administrator;
(h)"major" means a person who has completed the age of eighteen years;
(i)"member" means a person who fulfils the eligibility criteria for becoming a member of a society, as specified in this Regulation and has been admitted as a member of the society in accordance with its bye-laws;
(j)"Memorandum" means the memorandumof association of a society in accordancewith the provisions oft his Regulation;
(k)"notification" means a notification published in theOfficial Gazette and the expression "notified" shall be construed accordingly;
(l)"office bearer" means and includes the President, Vice-President, Secretary, Joint Secretary, Manager, Treasurer or any other member of the Governing Body empowered under the bye-laws to give directions in regard to the conduct of the business of the society;
(m)"OfficialGazette"means the Official Gazette of the Union territory of the Andaman and Nicobar Islands;
(n)"prescribed"means prescribed by the rules made by the Administrator under this Regulation;
(o)"public notice" means a notice published in at least one or two newspapers having wide circulation in the area, of which one shall be in vernacular language and the other shall be duly displayed on the notice board of the office of the Registrar;
(p)"Registrar" means the Registrar of societies appointed under sub-section (2) of section 4;
(q)"Registrar General" means the Registrar General appointed by the Government under sub-section (1) of section 4;
(r)"rules"means the rules made under this Regulation;
(s)"society"means a society duly registered under the provisions of this Regulation;
(t)"special resolution" means a resolution passed in a meeting of the General Body, in which atleast forty percent. of the members entitled to vote are present and the resolution is approved by three-fifths of the members so present and voting;
(u)"Union territory" means the Union territory of Andaman and Nicobar Islands.

CHAPTERII
AIMS AND OBJECTS OF SOCIETY

3. Any seven or more persons associated for--
(a)any literary, scientific or charitable purpose, including charitable societies, military orphan funds or societies established at several presidencies of India;
(b)societies established for the promotion of science, literature or fine arts;
(c)instruction;
(d)the diffusion of useful knowledge or political education;
(e)the foundation or maintenance of libraries or reading rooms for general use among members or open to the public;
(f)public museums and galleries of paintings and other works of art;
(g)collections of natural history, mechanical and philosophical inventions;
(h)instruments or designs;
(i)the promotion of conservation and sustainable use of natural resources such as land, water, forests and wildlife; and
(j)the formation of welfare of associations of flats, tenements, condominiums or floor space owners, may, by subscribing their names to a Memorandum and filing the same with the Registrar, form themselves into a society under this Regulation.

CHAPTER III AUTHORITIESOFSOCIETY

4.(1) The Administrator may, by an order published in the Official Gazette, appoint an officer, not below the rank of Joint Secretary to the Government of India as the Registrar General, who shall exercise such powers and perform such duties and functions, as are conferred upon him by or under this Regulation.
(2)The Registrar General may, by an order, appoint an officer of the Government at such level or cadre, as may be prescribed, as Registrar and other officers as Additional Registrar or Joint Registrar or Deputy Registrar or Assistant Registrar to assist the Registrar in the discharge of his functions and empower them to exercise such powers and perform such duties and functions, as may be assigned to them, from time to time.
(3)The officers appointed under this section shall exercise powers, discharge duties and perform functions under the overall administrative control and superintendence of the Government.

REGISTRATION OF SOCIETY

5.(1)An application for approval of the name as well as registration of a society shall be filed with Registrar, in whose jurisdiction the registered office of the society issituate, in such form, including particulars, accompanied by fee and in such manner, as may be prescribed:
Provided that if the proposed name is identical with that by which any other existing society has been registered or, in the opinion of the Registrar, so nearly resembles such name as to be likely to deceive the public, the Registrar shall refuse to register the name.
(2)No society shall be registered with a name which contravenes the provisions of the Emblems and Names (Prevention of the Improper Use) Act,1950.
(3)No society shall be registered with the previous approval of the Government in writing, with a name which contains any of the following expression, namely:--
(a)Co-operative or Land Development;
(b)Reserve Bank;
(c)Union or State or National or International or Universal or any word expressing or implying the sanction, approval or patronage of the Central Government or any State Government or the Union territory Administration;
(d)Municipal or Panchayat or Chartered; and
(e)Investigation Bureau or any word which suggests or is calculated to suggest connection with any municipality, statutory, investigating or intelligence agency or other local authority.
6.(1)If the Registrar after scrutiny of the documents presented along with the application is satisfied that the applicant has complied with all the provisions of this Regulation and the rules made thereunder, he shall, enter the particulars of the society registered, in a register maintained by him in physical or electronic form and issue a certificate of registration in such form and manner, as may be prescribed.
Explanation.--For the purposes of this sub-section,the expression "electronic form" shall have the same meaning as assigned to it in clause (r) of sub-section (1) of section 2 of the Information Technology Act, 2000.
(2)If the Registrar refuses to register a society, he shall state the reasons there for and communicate the same to the applicant, within such period as may be prescribed.
(3)Every society registered shall be assigned a distinct registration number.
(4)Every existing society shall apply to the Registrar for obtaining a new registration number within a period of one year from the date of commencement of this Regulation or such further period, as the Government may, by notification, specify in such form and manner, as may be prescribed.
(5)Where an existing society has not applied for obtaining an ew registration number under sub-section (4)within the period specified therein,then it shall apply for obtaining new registration on payment of such fee, as may be prescribed, within a period of six months from the date of expiry of the period specified there in and if the society fails to apply for new registration number within the extended period, the registration of that existing society shall be treated as cancelled.
(6)The certificate of registration shall be the conclusive proof that a society is duly registered unless proved otherwise.
(7)Every society registered under this Regulation shall prominently display its name along with registration number outside its registered office or any other place where it is carrying on its business oroperations, and shall have a seal with its name engraved thereon and the name of society, registration number and its registered office shall be mentioned in all documents executed in its favour or on its behalf.
(8)Every society registered under this Regulation shall be a legal entity, by the name in which it has been registered, having perpetual succession and a common seal, with the power, subject to the provisions of this Regulation, to acquire, hold and dispose of property, both movable and immovable, and to contract and to institute and defend suits and other legal proceedings and to do all other things necessary for the furtherance of the aims of the society for which it has been registered.

7.(1)Every society shall have a registered office, to which all communications and notices shall be addressed.
(2)The information about every change in the name and address of the society shall be communicated to the Registrar within a period of thirty days from the date of change, who shall record the same in the certificate of registration and the register of societies.
(3)The change of name shall not affect the rights and liabilities of the society or any legal proceedings by or against it.

CHAPTER V MEMBERSHIP

8.(1)A person shall be eligible to become a member of society, if he-
(a)is a major on the date of admission;
(b)subscribes to the aims and objects of the society;
(c)has deposited the membership fee as provided in the bye-laws; and
(d)is not an insolvent or of unsoundmind or have not been convicted of an offence involving moral turpitude, punishable with imprisonment of one year or more.
(2)A partnership firm, whether registered or not, or a body corporate of whatever description, shall not be eligible to be a member of a society.
(3)Nothing contained in sub-section (2) shall prevent a partner as defined in section 4 of the Indian Partnership Act, 1932 or a member or shareholder of a body corporate to become a member in his individual capacity.

9.(1) Every society shall maintain a register of its members at its registered office and shall enter there in the particulars of admission or removal of any member or the cessation of any membership, within fifteen days of such admission or removal or the cessation of membership, as the case may be, in such form and manner, as may be prescribed.
(2)Every society shall file a copy of the register of members maintained by it with the Registrar, if not filed at the time of registration, shall be filed with the Registrar within a period of sixty days from the date of registration.
(3)The society shall file an updated list of members, duly certified by the authorisedofficeroftheso ciety,separatelyshowingtheinclusionsanddeletions,if any, every year within a period of sixty days of the close of the financial year in the office of the Registrar, in such manner as may be prescribed.
(4)The register of members shall be kept open at the registered office of the society and remain accessible to any officer of the office of Registrar, Registrar General or any member of the society during its business hours.
(5)Every person admitted as a member on the date of declaration of elections, shall have the right to exercise his vote in person subjectto his not being in arrears of membership fees or annual subscription, for a period as may be prescribed.
(6)Every member shall havethe right to inspect the books of account, books containing the minutes of proceedings of meetings on any working day during business hours after giving reasonable notice.

10.A member admitted to a society shall cease to be so in the following circumstances, namely:-
(a)upon submission and acceptance of his resignation; or
(b)if he fails to fulfil the eligibility condition provided under section 8; or
(c)upon his failure to pay membership fee or annual subscription fee continuously for such period, as maybe determined by the Registrar General; or
(d)upon the death of a member:
Provided that in case of a housing society or a resident welfare association registered as a society for the operation, managementand maintenanceoffacilities for the residents or civic amenities of any defined area, the nominee or the legal heir shall be enrolled as a member subject to fulfilment of qualifications as laid down in the bye-laws and the provisions of this Regulation.

CHAPTER VI MEMORANDUMAND BYE-LAWS OF SOCIETY

11.(1)The Memorandum shall state--
(a)the name of the society;
(b)the aims and objects of the society;
(c)the names, addresses and occupations of the members of the first Governing Body to whom the management of its affairs is entrusted under the bye-laws; and
(d)the place and the island in which the registered office of the society is situated.
(2) The Memorandum and bye-laws, certified to be a true copy by not less than three members shall be filed with the Registrar at the time of registration of society.

12.(1) A society may, by a special resolution, amend the provisions of its Memorandum with respect to--
(a)change in the name of society; or
(b)change in the aims and objects of the society, as permissible under this Regulation.
(2)A society may amend its bye-laws by a special resolution.
(3)Any special resolution passed under sub-section (1) or (2) shall be filed with the Registrar within thirty days from the date of approval thereof and if he is satisfied that it is in accordance with the provisions of this Regulation and the rules made there under, he may register such change, which shall have no effect until it has been so registered.
(4)If the Registrar refuses to register a change in the Memorandum or the bye-laws under sub-section(3),he shall communicate there as ons there for in writing within a period of sixty days of filing of the special resolution by the society, and the special resolution passed by the society in that case shall have no effect.
(5)If the Registrar fails to communicate the reasons for refusal within sixty days, the special resolution shall be deemed to have been registered by him.
(6)Not with standing anything contained in this Regulation or the rules made there under, if the Registrar considers that an amendment of the Memorandum or bye-laws is necessary or desirable to bring the same in conformity with the provisions of this Regulation or rules made there under, he may, by an order in writing, direct the society to make such amendment within such time, as maybe specified, in such order and the same shall be final and binding on the society and its members.

CHAPTER VII
GENERAL BODY AND GOVERNING BODY

13.(1) The total number of persons admitted as members of a society in accordance with the provisions of this Regulation shall constitute its General Body.
(2)Every society shall provide in its bye-laws the composition of its General Body, its powers, functions and duties, the periodicity of and the quorum for the meetings, the manner of recording of its proceedings and all other matters relating to the affairs of such General Body.
(3)The quorum for the meeting of the General Body shall not be less than forty percent. of the total members entitled to vote and present in person, subject to a minimum of four members.
(4)Every member shall have one vote and shall cast his vote in person or digitally.

14.(1) An annual general meeting of the General Body, may be held as and when required:
Provided that atleast one meeting of the General Body shall be held in every financial year in which the annual accounts of the society, duly audited, shall be placed before the members for approval.
(2) A clear notice of fourteen days of every meeting shall be given to the members of the General Body, before the date appointed for the meeting and a copy of such notice along with the business to be transacted during the annual general meeting shall also be endorsed to the Registrar.

15.(1)The members of the General Body shall elect the Governing Body (by whatever name called), consisting of not less than three and not exceeding twenty-one members.
(2)The office-bearers shall comprise of the President, Secretary andTreasurer as a minimum, and other office bearers, as provided under the bye-laws.
(3)The society shall file the list of the elected office bearers with the Registrar within a period of thirty days of holding of the elections for the Governing Body, in such manner as may be prescribed.
(4)The tenure of the Governing Body shall not exceed three years and the matters pertaining to re-election of any office bearer shall be regulated in accordance with the bye-laws.
(5)Every society shall maintain a register showing the names, addresses and occupation of the persons elected as office bearers and shall file the same with the Registrar,--
(a)a copy of the registerwithin a period of thirty daysfrom the date of election of the office bearers;
(b)a notice of every change in the office bearer within a period of thirty days, from the date of such change; and
(c)the details of the office bearers along with the annual return.
(6)The constitution of the Governing Body, elected for the first time or thereafter, shallbevalid upon approvalthereofbytheRegistrarand itstenureshall commence from the date of such approval.
(7)The Registrar shall communicate its approval of constitution of the Governing Body and other matters within a period of thirty days from the date of receipt of application for approval, failing which, it shall be deemed to be approved.

16.(1) The meetings of the Governing Body may be held as and when required:
Provided that the Governing Body shall meet once every quarter and hold at least four meetings in a financial year.
(2)A clear notice of three days of every such meeting shall be given by the Secretary of the Governing Body to the office bearers before the date appointed for the meeting:
Provided that the Governing Body may meet at shorter notice, wherever so required, with the consent of at least fifty per cent. of its members.

17.(1) The society shall maintain record of the minutes of proceedings of every meeting of the General Body and Governing Body in the proceedings book separately maintained for this purpose and such minutes shall be signed by the President and Secretary of the society.
(2)In case the minutes of the meeting are not signed by the President for any reasons, whatsoever, the Governing Body may authorise any of the office bearer to sign such minutes.
(3)The minutes of every meeting of the Governing Body or theGeneral Body, as the case may be, shall be placed for its confirmation in the succeeding meeting of such body.
(4)Any resolution passed by the Governing Body or the General Body, during any of its meetings, which is not consistent with the provisions of this Regulation or the rules made thereunder or the bye-laws, shall be invalid.
(5)No act or proceedings of a society or any of its office bearer shall be deemed to be invalid merely on the ground of any vacancy or defect in the constitution of the society.

18.Every society shall supply a copy of the balance-sheet or a statement of account together with the report of the auditor to every member of the General Body along with the notice of the annual general meeting and it shall also be placed on the website of the society.

CHAPTER VIII
PROPERTY AND FUNDS OF THE SOCIETIES

19.A society registered under this Regulation may acquire movable or immovable property, on free-hold or lease basis, out of its funds or donations or grants or loans obtained, in accordance with its bye-laws.

20.(1)All property, movable and immovable, belonging to a society, whether acquired before or after its registration, if not vested in the trustees, shall vest in the society, and any such property maybe referred to as the property of such society in any legal proceedings:
Provided that in case a housing society or a resident welfare association registered as a society for the operation, management and maintenance of facilities for the residents or civic amenities of any defined area, the property may vest in the members or their successor-in-interest who have contributed for acquisition of such property.
(2) Where a society accepts a gift or donation of money or property of any other kind from any person or institution for a specific purpose, it shall use the money or such property gifted or donated or any part there of only for the purpose for which it has been so gifted or donated and for no other purpose.

21.(1) A society registered under this Regulation shall be competent to sell, transfer or alienate any of its immovable properties, if-
(a)the immovable property is acquired from the Government or any of its instrumentalities or a municipal body or gram panchayat or any other authority, with the prior permission of the Government in writing;
(b)the immovable property is acquired by means of a conditional gift or conditional donation from any source, in accordance with such conditions, subject to the prior permission of donor or his authorised representative, and in case the donor is not alive and has left no such authorised representative, with the prior permission of the Registrar in writing;
(c)any other immovable property acquired by the society out of its own resources or funds or borrowings, with the prior permission of the General Body, by a special resolution.
(2)The Governing Body shall determine the reserve price of any immovable asset, which shallnotbe less than the applicable circle rates, before its disposal, so as to ensure that it is not sold or transferred at an undervalued consideration.
(3)The proceeds from the transfer or sale of any immovable property of the society, wherever conducted in accordance with the provisions contained in this section, shall be immediately deposited in the account of the society.
(4)Where any office bearer of the Governing Body contravenes the provisions contained in sub-sections (1), (2) and (3), the Registrar shall be competent to take any or all of the following actions, namely:--
(a)where the amount of consideration is not deposited in the account of the society within three working days, direct such office bearer to pay interest out of his own pocket at the rate of twenty-four per cent. per annum for the period it remained in his possession but such period shall in no case be more than thirty days;
(b)where the immovable asset has been sold or transferred at an undervalued price, recover the difference assessed on the basis ofcirde rates from the erring office bearer and deposit the same in the society's account; and
(c)where the immovable asset has been disposed of without the permission as required under sub-section (1) or without complying with the conditions applicable, recover the amount, alongwith any additional amount as assessed on the basis of circle rates, from the concerned office bearer and deposit the same with the allotting authority.
(5)Where the recovery of any amount is involved from any person in the course of enforcement of sub-section (4), and the person concerned do not deposit the amount within the period allowed, the Registrar shall be competent to recover the amount as arrears of land revenue.
(6)Nothing under this section shall absolve the office bearer from criminal action.

22.Every society, to such extent, and under such conditions, as may be permitted under its bye-laws,from time to time, invest or deposit any portion of its funds not immediately required,--
(a)in immovable properties;
(b)in securities of the Government or in National Savings Certificates or other securities of the Government of India;
(c)in the Post Office Savings Banks Account; or
(d)in a special account opened by the society for the purpose in-
(i)a Scheduled Bank asauthorised or notified by the Reserve Bank of India;
(ii)a Co-operative Bank situated in the Union territory; or
(iii)such other mode of investment, as maybe notified.

CHAPTER IX
ACCOUNTS, AUDIT, FILING OF DOCUMENTS

23.(1) Every society shall keep proper books of account such as cash book, ledger, and the like as required by Income-tax laws or the books as per standards laid down by the Institute of Chartered Accountants of India, at its head office or such other places as maybe determined by the Registrar General with respect to,--
(a)all sums of money received and expended by the society; and
(b)the assets and liabilities of the society.
(2)The books of account, returns and registers shall be verified and signed by at least two office bearers, authorised by the Governing Body.
(3)The books of account shall be open to inspection during the business hours by the Registrar General, Registrar or any officer authorised by them.

24.(1)Every society shall get its annual accounts audited from an auditor who is a member of the Institute of Chartered Accountants of India, constituted under the Chartered Accountants Act, 1949 or the auditor of the Union territory, Co-operative Department.
(2) The auditor shall not be a member of the Governing Body or family member of any of the office bearer.

25.(1) Every society shall file the following returns, in the prescribed form, with the Registrar within thirty days of holding the annual general meeting,-
(a)a list of the members duly certified by the President and the Secretary, as on the 31st March of the year, separately showing the deletions and additions during the previous year, if any;
(b)a list of the office bearers along with their names, addresses and occupations separately showing the deletions and additions during the previous year, if any;
(c)anannual report on the working of the society by the Governing Body duly certified by the President and Secretary;
(d)a copy of each of the balance-sheet, receipt expenditure statement and the auditor's report duly certified by the auditor; and
(e)a copy of the special resolution, if any passed.
(2) Any society which is required to submit any statement or returns under sub-section (1) fails to do so, the Registrar may depute an officer to prepare the necessary statement or return:
Provided that in such cases, it shall be competent for the Registrar to determine, with reference to the time involved in the work and the emoluments of the officer deputed to do it, the charges which the society concerned shall pay to the Registrar General or Registrar and to direct its recovery from the society.

CHAPTER X AMAL GAMATION AND DIVISION

26.(1) Any two or more societies, after passing special resolutions for amalgamating with each other, shall move an application along with copy of resolutions, in such form as may be prescribed for obtaining approval of the Registrar and after getting the approval, shall amalgamate together as one society.
(2)Any society, after passing special resolution for division of a society, shall move an application in such form as may be prescribed along with the copy of resolution, for obtaining approval of the Registrar and after getting the approval, shall stand divided.
(3)The special resolution shall contain proposals for the division of the assets and liabilities of the society among the new societies, relationship of the parent society with the divided societies, if any, and may specify the areas of operation of and the members who may constitute each of the new societies:
Provided that before division, the society shall settle all the claims and liabilities or divide the assets and liabilities amongst the societies on pro-rata basis.
(4)No amalgamation or division of a society undersub-section(1) or sub-section (2), as the case may be, shall have any effect until and unless the new society or societies is duly registered.
(5)Upon the registration of the new amalgamated society or the divided societies, as the case may be, the assets and liabilities of the original registered society or societies shall, subject to the provisions of this section, be transferred to and become the assets and liabilities of the new society or societies in the manner specified in the special resolution.

CHAPTER XI
INQUIRY AND SUPERSESSION OF THE GOVERNING BODY

27.(1) The Registrar General or the Registrar may, by written order, require any society to furnish in writing such information or document or explanation as provided in the order within such time, not being less than two weeks from the date of receipt of such order.
(2) On receipt of the order under sub-section (1), it shall be the duty of the society to furnish such information or documents or explanation as specified in the order.

28.(1)Where the Registrar General or the Registrar is satisfied that,-
(a)the records, registers or the books of account are likely to be tampered with or destroyed and the funds and the property are likely to be misappropriated or misapplied; or
(b)the Governing Body is reconstituted at a general meeting and the outgoing members of the Governing Body refused to hand over charge of the records and property of the society to those entitled to receive such charge; or
(c)the office bearers, where the elections of the Governing Body have not been held by the due date, are likely to misuse such documents, funds, records or are reluctant to hand over the records to the officer appointed for managing the affairs of the society, as an interim measure under section 31, he may issue anorder directing a personduly authorisedby him in writing to seize and take possession of such documents, funds, records and property where upon the office bearers responsible for custody of such documents, record, funds and property shall give delivery there of to the person so authorised.
Explanation.--For the purposes of this clause, the expression "due date" means the date on which the term of a Governing Body of a society expires and by which the elections of the successor body should be completed.
(2) In order to secure compliance of the order under sub-section (1), the Registrar may take or cause to be taken such steps and use or cause to be used such minimum force, including recourse to police force, as may deem appropriate.

29.(1)Where on the information received or gathered under section 27 or on the application of a majority of the office bearers or on the application of not less than one-third of the members of the General Body, as the case may be, or, if so moved by the Government or Deputy Commissioner or the Registrar General or Registrar is of the opinion that the affairs of a society are being so conducted as to defeat the aims and objects of the society or its Governing Body is guilty of mismanaging its affairs or of any breach of fiduciary or other like obligations or to defraud its creditors, he may, either himself or by any person authorised by him in that behalf, hold an inquiry into the affairs of the society.
(2)An application to the Registrar Generalor Registrar under sub-section(1) shall be supported by such evidence, as he may require for the purpose of showing that the applicant has good reason for making an application for an inquiry.
(3)The Registrar General or the Registrar may require the applicantst of urnish such security as he thinks fit as the cost of the proposed inquiry, before the inquiry is ordered.
(4)All expenses incidental or preliminary to the inquiry shall, where such inquiry is held,--
(a)on application, be defrayed by the applicants thereof or out of the assets of the society or by the members of the society, in such proportion as the Registrar may, by an order in writing direct; and
(b)on a reference from the Deputy Commissioner of the Union territory or the Registrar be defrayed out of the assets of the society and shall be recoverable as arrears of land revenue.
(5)A person holding an inquiry shall have, at all reasonable times, free access to all the documents and shall have power to call upon any office bearer to produce any of the document, as he may direct.
(6)It shall be the duty of all office bearers, who were or are holding office, to furnish to the person holding inquiry with all the information or documents in their possession.

(7)A person holding an inquiry may summon and examine any person on oath who, he has reason to believe, has knowledge of any affairs of the society and may summon any person to produce any books of account or documents belonging to him or in his custody, if the person holding inquiry has reason to believe that such books of account or documents contain any entries relating to transactions of the society.
(8)A person holding an inquiry may, if in his opinion it is necessary for the purpose of inquiry, seize any or all the documents:
Provided that any person from whose custody such documents are seized shall be entitled to a receipt thereof and make copies thereof.
(9)If the inquiry is held by a person, other than the Registrar then he shall send the report to the Registrar along with his recommendations:
Provided that if such inquiry is held by the Registrar himself, he shall forward the report to the Registrar General along with his recommendations.
(10)The inquiry report shall be communicated to the society and the applicants, if any.
30.The Registrar shall consider the inquiry report along with the recommendations of the person holding inquiry, if any, and take any of the following steps, namely:–
(a)where no irregularities, whatsoever, of procedural or material nature, are found to have been committed by the Governing Body, he shall order closure of the inquiry along with information thereof to the society and complainants, if any;
(b)where the irregularities or violations committed by the society are found to be of procedural nature, which are rectifiable, he shall direct the society to take recourse to such corrective measures within such time, as he may deem appropriate; or
(c)where the irregularities or violations committed by the society are found to be of a serious or material nature,he shall pass any other appropriate order to meet the ends of justice.
31.(1)Where, based on inspection, inquiry or audit under this Regulation, the Registrar submits a report or recommendation indicating that the Governing Body or a society is not functioning in accordance with theprovisions of this Regulation or is acting against the interest of its members, the Registrar shall forward such report or recommendation to the Registrar General.
(2)Upon receipt of the report, if the Registrar General is of the opinion that a prima facie case is made out for supersession of the Governing Body, he shall issue a show cause notice indicating the proposed action, consider the response of the society, and if so requested, provide an opportunity of hearing, before passing appropriate order.
(3)The Registrar General, after considering thereply, shall pass an order and may appoint an Officer to manage the affairs of the society with such directions as deemed appropriate and the orders passed by the Registrar General in this behalf shall be final.
(4)The Officer appointed under sub-section (3), shall be a Group "B" Officer or of equivalent rank in the service of the Government or any statutory authority or such person who may have retired from a Group"B" or equivalent position from the Government or the Central Government or a statutory authority.
(5)Where a retired person is appointed as the Officer, the Registrar General may fix the honorarium or remuneration to be paid to theOfficer during the course of his appointment at such rates as may be prescribed and direct such expenditure to be defrayed out of the funds of the society.
(6)The Officer appointed under sub-section (3) may hold office for a period which shall not exceed one year in the first instance, but whose term may be extended for such further period, as considered necessary, subject to the same not exceeding three years in total.
(7)On the appointment of the Officer under sub-section (3), the Governing Body shall cease to exercise any powers and discharge and perform any functions or duties conferred or imposed on it under this Regulation or the bye-laws.
(8)The Officer shall exercise all the powers of the Governing Body and perform all such functions or duties during the course of his appointment as provided in the bye-laws, subject to any directions from the Registrar General.
(9)The Officer may, before the expiry of his term, take necessary action to hold the election of the Governing Body, if so required.
(10)If the Officer is, for reasons beyond his control, not able to hold the election of the Governing Body or fails to convene a meeting of the GeneralBody, as the case may be, or in spite of such meeting having been convened, the General Body fails to elect theGoverning Body, the Officer shall forthwith send a report to the Registrar who may pass such orders, as may be considered necessary or expedient, either extending the term of appointment of the Officer for a further period or, if satisfied that public interest so necessitates, for the dissolution of the society.
(11)The Registrar may, if he thinks appropriate, appoint a committee to advise and assist the Officer so appointed for exercise of the powers and discharge of the duties and functions conferred or imposed on him under this Regulation.
(12)Where an order of dissolution is passed under sub-section (10), further action shall be taken in accordance with the provisions of this Regulation.
(13)The members of the committee appointed under sub-section (11) shall have such qualifications, as maybe prescribed and shall hold such office during the pleasure of the Registrar.

CHAPTER XII
SUSPENSION, CANCELLATION AND DISSOLUTION

32.(1) Where the Registrar has reasonable cause to believe that a society is defunct and is not carrying on business or operations, he shall issue a show cause notice to such society, at its registered office to show cause as to whether it is carrying on its business or operations and directing it to file such documents or returns, within a period of ninety days, from the date of issuance of notice.
(2)Where the defunct society responds to such notice within specified period and submits the requisite documents or informs along with evidence that it is carrying on business or operations, the Registrar shall, after due verification of records, pass an appropriate order.
(3)If the Registrar receives a reply from the defunct society to the effect that it is not carrying on any business or operations, he may direct the society to convene a meeting of its General Body and pass a special resolution for its dissolution after settling all its liabilities and thereafter apply for dissolution of the society, where upon it shall be incumbent upon such society to carry out such directions, within specified period.
(4)Where the Registrar does not receive any reply within specified period, he shall cause a public notice to be issued stating that on the expiration of such period as may be specified in such notice, the registration of such defunct society shall be suspended.
(5)If no response is received from the defunct society, its member, creditor or claimant within the specified period, the Registrar shall order suspension of registration of such society and after passing of such order, the society shall not be competent to carry on any business.
(6)An order under sub-section (5) suspending the registration of the society shall be notified through a public notice for the information of general public.
(7)The society, member, creditor or claimant aggrieved with such suspension, may, within a period of three months from the date of order of suspension, submit a representation to the Registrar.
(8)The Registrar, on being satisfied that the society at the time of its suspension, was carrying on business or operations or otherwise and it is just and equitable that the name of the society be restored to the register, may revoke the suspension.
(9)The society whose registration is restored shall be deemed to have continued in existence, as if its registration had not been suspended.
(10)No claims, whatsoever, shall be valid and entertained against a society on expiry of a period of three months from the date of suspension of its registration.
(11)If no representation against the suspension order is received within a period of three months from the date of suspension of registration, the Registrar may, unless contrary is shown, strike out the name of the society from the register and cancel its registration.
Explanation.-For the purposes of this section "defunct society" means a society which is not carrying on any business or operation or has not filed its annual or other returns with the Registrar continuously for such period, as maybe notified.
33.A society, which has no assets or liabilities to its account and is not desirous of carrying on with its business or operations, may, afterpassing a special resolution, apply for cancellation of its registration to the Registrar and the Registrar shall, after giving a public notice of not less than ninety days inviting objections, strike out its name from the register of societies, after considering objections, if any.
34.(1)The Registrar may, if he is satisfied that,–
(a)the society has contravened any of the provisions of this Regulation or the rules made thereunder, or
(b)the society is declared insolvent; or
(c)the business of any such society is conducted fraudulently or not in accordance with its bye-laws or the aims and objects specified in its Memorandum; or
(d)it is carrying on any unlawful activity or allowing unlawful activity to be carried on in the premises under its control, he may order an inquiry to be conducted by any other officer authorised by him.
(2)On receipt of inquiry report under sub-section(1), the Registrar may, give a show cause notice to the society specifying briefly the grounds of the proposed cancellation.
(3)The Registrar shall also issue a public notice inviting objections, if any, as to why the registration of society shall not be cancelled and after considering the objections filed by society and public, the Registrar may cancel the registration.
35.When the registration of a society is cancelled, the society shall forthwith cease to carry on its business, except in so far as it maybe required for the beneficial winding-up of its affairs, for which purpose it shall pass a special resolution and dissolve itself in the manner as provided in this Regulation:
Provided that the liability of office bearer shall continue and maybe enforced as if the registration of society has not been cancelled.
36.(1)Where the registration of a society is cancelled, the Registrar shall--
(a)direct the society to complete the process of its dissolution, collect all its receivables, and settle all its liabilities, provide the details of any of its assets left over after settlement of the liabilities and submit a proposal for transfer of its left-over assets to any other society in existence with identical aims and objects;
(b)assess the credentials of a society to whom any such assets are proposed to be transferred by the society under clause (a) and may either approve such proposal or direct the society to place such assets at the disposal of the Deputy Commissioner;
(c)constitute a committee of members of such society to carry out the process of dissolution of the society where there is no Governing Body or General Body to carry out the directions under clauses (a) and (b);
(d)be competent to complete the dissolution of the affairs of the society of his own or by appointing any of his subordinates to do the needful or associate any two members from any other society in existence for this purpose.
(2)If on dissolution and after settlement of all the liabilities, a society is left with any movable or immovable assets, the Registrar shall, in the first instance, make efforts to transfer all such assets to any other society in existence with identical aims and objects in operation against a proper receipt, failing which, all such assets shall vest in the custody of the Deputy Commissioner.
(3)Where any asset is placed at the disposal of the Deputy Commissioner, he may either direct the transfer thereof to a society in operation with identical aims and objects or use such assets preferably for the same purpose or for any other public purpose.
37.(1)A society may resolve to dissolve itself by passing a special resolution in a meeting of the General Body convened for the purpose.
(2)On passing of the special resolution under sub-section (1), the Governing Body shall take all necessary steps for settlement of all claims and liabilities, as it may consider appropriate in accordance with its bye-laws and if there are no bye-laws, in accordance with the provisions of this Regulation.
(3)If any dispute arises amongst the members of the society, the Governing Body, or the special committee, regarding the winding-up of the affairs of the society, it shall be referred to the Registrar for such directions, as he may consider appropriate:
Provided that the special resolution for dissolution of the society shall not be deemed to be a matter in dispute.
(4)If the Central Government or Government or any of its instrumentalities is a member of or a contributory to or otherwise interested in any society, such society shall not be dissolved without the consent of the Central Government or Government, as the case may be.
(5)After completion of all necessary formalities, the Governing Body shall send a report to the Registrar, mentioning about the surplus assets, if any.
(6)The Registrar shall there upon cause a public notice issued at the expense of the society inviting objections for dissolution of society from any person interested in the affairs of the society within the period specified in the notice,which shall be not less than three months.
(7)If no objection is received from any claimant, creditor or member of the society within three months from the date of issue of such public notice, and after the surplus assets, if any, have been disposed of under section39, the Registrar shall make an order confirming the dissolution and there upon the society shall stand dissolved and the Registrar shall record the order of dissolution in the register maintained in his office and strike off the name of the society from such register.
(8)If any objection is received from any claimant or creditor or member or any other interested person within the period provided under sub-section (7), the Registrar shall not make an order confirming the dissolution of the society unless he is satisfied that the relevant claim or liability have been duly settled and the surplus assets, if any, have been disposed of as provided in this Regulation.
38.(1)Where the Government consents to dissolve a society under section 37 or where the registration of a society is cancelled and it is found to be fit for dissolution under section32, the Registrar General or the Registrar, as the case may be, shall order dissolution of such society in accordance with the procedure provided in this Regulation.
(2)Upon dissolution of a society under sub-section(1), the Registrar General or the Registrar, as the case may be, shall take action for winding-up the affairs of the dissolved society in accordance with the provisions of this Regulation.
39.(1)Not withstanding anything contained in section 36, after the settlement of claims and liabilities of society, where any surplus assets are left, such assets shall not be paid to or distributed amongst the members of the society, but shall be taken over and vest in the custody of Government:
Provided that in case of a housing society or a resident welfare association is registered as a society, theoperation, management and maintenance of facilities for the residents or civic amenities of any defined area, the successor-in-interest shall step in the shoes of original member, subject to fulfilment of qualifications as laid down in the bye-laws of the society and the provisions of this Regulation.
(2)The Government shall place such assets at the disposal of the Deputy Commissioner, who may,--
(a)in the first instance identify any other society in operation with identical aims and objects and transfer such assets to such society;
(b)use such assets, preferably for the purpose for which such assets were created; or
(c)for any other public purpose, as deemed appropriate.
(3)The records of accounts shall be maintained for a period of three years from the date of dissolution and in case any matter pertaining to any such society is pending before any court, such records shall be maintained till the final disposal of such matter by the competent court.

CHAPTER XIII OFFENCES AND PENALTIES

40.If a society fails to comply with or contravenes any of the provisions of this Regulation, then the society in default shall be liable to a penalty which may extend to two thousand rupees, and in case of a continuing default or contravention, with penalty which may extend to one hundred rupees for each day during which such default or contravention continues.
41.Where any society fails to rectify the defects as directed by the Registrar and where no appeal has been preferred to the Registrar General under sub-section (1) of section 49 or where such appeal has been preferred and the Registrar General has not annulled, reversed or modified the order, the Registrar may take steps to have the defects rectified and may recover the cost, which were incurred for rectification of such defects, from the officers of the society who, in his opinion, have failed to rectify the defects.
42.If an office bearer or any employee of the society knowingly or willingly makes or causes to be made any false entry in, or any omission from any register, account, balance-sheet, or other document, required to be maintained by a society under this Regulation, he shall be liable to a penalty which may extend to five thousand rupees and may be removed from the membership of the society.
43.If any office bearer knowingly or willingly makes a false return or furnishes false information or wilfully or without any reasonable reason, disobeys any summons, requisition, or other lawful order or direction issued under the provisions of this Regulation or withholds or fails to furnish any information lawfully required from him by the Registrar or Registrar General or person authorised in this behalf under the provisions of this Regulation, he shall be liable to a penalty which may extend to five thousand rupees, and in the case of a continuing default or contravention, with penalty which may extend to two hundred rupees for every day during which such default or contravention continues.
44.The penalties under this Chapter shall be imposed by the Registrar General or Registrar or any officer authorised in this behalf by the Registrar General or Registrar, and such sum of penalties shall be credited to the Consolidated Fund of India.
45.Any party aggrieved by the penalty imposed in accordance with the provisions of sections 40, 42 and 43, shall have the following recourse, namely:--
(a)the society concerned may make an appeal, against any penalty imposed under sections 40, 42 and 43, to the Registrar General within a period of two months from the date of the imposition of such penalty;
(b)the Registrar General may, in deciding the appeal, annul, reverse, modify or confirm the order of the Registrar; and
(c)where the society fails to rectify the defects as directed by the Registrar and where no appeal has been made to the Registrar General under clause (a) or where on the appeal so made, the Registrar General has not annulled,reversed or modified the order, the Registrar may himself take steps to have the defects rectified, and may recover the cost from the officers of the society who, in his opinion, have failed to rectify the defects.
46.The Registrar may, upon an application in writing received from any society and on sufficient cause being shown, allow further time to such society to comply with any of the provisions of this Regulation on payment of such late fees, as may be prescribed.

CHAPTER XIV MISCELLANEOUS

47.(1) The committee or any office bearer of the society authorised in this behalf by its bye-laws, may bring or defend any action or other legal proceedings touching or concerning any property or any right or claim of the society and may sue or be sued in its name.
(2)No suit or other legal proceedings shall abate due to any vacancy or change in the position of the President, the Secretary or any office bearer authorised under sub-section (1).
48.The judgment, which shall be delivered against any office bearer of the society, shall not be enforced against such office bearer or his property, either movable or immovable, but shall be enforced against the property of the society.
49.(1) Any person or society aggrieved by an order of the Registrar may, prefer an appeal to the Registrar General within a period of sixty days from the date of issuance of such order.
(2)Any person or society aggrieved by an order of the Registrar General, may file an application before the Government within a period of sixty days from the date of issuance of such order.
(3)Any person or society who fails to file the a foresaid appeal or application, as the case may be,within the period of sixty days, and if the society or person has shown sufficient cause for not preferring the appeal or application within such period, that appeal or application may be entertained even after the expiry of the said period, but not later than another sixty days.
(4)The decision of the Government shall be final and binding on the parties.
(5)Every appeal or application referred to in this section shall be in such form and accompanied by such fee as may be prescribed.
(6)Not withstanding anything contained in this section, an order passed by the Registrar or the Registrar General may be reviewed by such prescribed authority, on an application filed by the aggrieved party within a period of ninety days from the date of issuance of such order.
50.Every officer exercising or authorised to exercise powers under this Regulation or the rules made thereunder shall be deemed to be a public servant within the meaning of clause (28) of section 2 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 and clause (c) of section 2 of the Prevention of Corruption Act, 1988.
51.No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against the Registrar General or any officer or official subordinate to him or acting under his authority, in respect of anything done by or purported to have been done by him in good faith under this Regulation.
52.No act or proceedings of a society or any of its office bearer, shall be deemed to have been invalid merely by reason of any vacancy or defect in the organisation of the society.
53.Any notice, order or requisition meant for a society or for the Governing Body thereof, to be issued by the Registrar or the Registrar General or any other person or body related to it, shall be served on the President or Secretary of the society, and such services shall be effectual as if the same had been served on every member.
54.All documents filed by a society with the Registrar under this Regulation shall be deemed to be public documents within the meaning of section 74 of the Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023.
55.The Government may, as soon as possible, introduce e-governance for effective and efficient administration of the provisions of this Regulation,and upon implementation of such a solution, all or part of the transactions, forms, payments, and other services under this Regulation, may be administered in the electronic or online mode.
56.Save as otherwise provided in the Regulation, the provisions of this Regulation shall have effect not with standing anything inconsistent therewith contained in any other laws of the Union territory, for the time being in force.
57.No civil court shall have jurisdiction to entertain any suit or proceeding in respect of any matter which the Registrar, the Registrar General, or any other authority empowered under this Regulation is required to determine; and no injunction shall be granted by any court or other authority in respect of any action taken in pursuance of any power conferred by or under this Regulation.
58.(1)Any dispute relating to membership, including admission, termination or rights of members, shall be decided by the Registrar or such authority as maybe specified under the rules and the decision of the Registrar in this regard shall be binding, subject to appeal as provided under section 49.
(2)The utilisation or distribution of any surplus, dividend or profit among the members shall be subject to the conditions and limits as maybe prescribed ensuing transparency and equitable benefit-sharing.
(3)The fee payable for registration, filing of documents, inspection, certification or any other service rendered under this Regulation shall be in such manner, as may be prescribed.
(4)Any amount due to the Government, the Registrar or the society under this Regulation, including penalties or prescribed fees, shall be recoverable as arrears of land revenue in such manner as may be prescribed.
59.The Government shall be competent to issue such directions to any society, as it may deem appropriate, for the proper enforcement of the provisions of this Regulation and the rules made thereunder.
60.(1) The Administrator may, by notification, make rules not inconsistent with the provisions of this Regulation, for carrying out the purposes of this Regulation.
(2) Every rule made under this Regulation shall be laid, as soon as after it is made, before each House of Parliament, while it is in session, for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions, and if, before the expiry of session immediately following the session or the successive sessions aforesaid, both Houses agree in making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall there after have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be; so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.
61.The provisions of this Regulation shall have effect not withstanding anything inconsistent therewith contained in any other law for the time being in force in the Union territory.
62.(1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Regulation, the Administrator may, by an order published in the Official Gazette, make such provisions, not inconsistent with the provisions of this Regulation, as may appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty:
Provided that no such order shall be made after the expiry of the period of two years from the date of commencement of this Regulation.
(2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it ismade, be laid before each House of Parliament.
63.(1) The Societies Registration Act, 1860, in its application to the Union territory of Andaman and Nicobar Islands is hereby repealed.
(2)Not withstanding such repeal, anything done or any action taken or purported to have been done or taken under the Act hereby repealed shall, in so far as it is not inconsistent with the provisions of this Regulation, be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Regulation.
(3)Subject to the provisions under sub-section (4) of section 6, any society registered at any place in the Union territory of Andaman and Nicobar Islands under the Societies Registration Act,1860, shall be deemed to have been registered under this Regulation, and its principal office shall be deemed to be the registered office for the purposes of this Regulation:
Provided that-
(i)the Memorandum and the bye-laws of any such society, to th eextent they are inconsistent with any of the provisions of this Regulation and the rules made thereunder, shall be brought in conformity with the provisions of this Regulation within a period of two years from the date of commencement of this Regulation or within such further period as the Government may, by notification, allow and thereafter, to the extent of such repugnancy or inconsistency, be deemed to be void and shall have no effect;
(ii)any officer elected or appointed to and holding office immediately before the commencement of this Regulation shall continue to hold such office until the expiry of his term of office or until such office is lawfully terminated.
(4)Nothing under this Regulation shall affect anyright, privilege,obligation, liability or punishment provided under the repealed Act:
Provided that any investigation or proceedings, including proceedings for dissolution, or the supersession of the Governing Body or appointment of an Administrator commenced before the coming into force of this Regulation,shall be continued and conducted in accordance with the provisions contained in this Regulation.
(5)The mention of particular matters referred to in this section shall not be held to prejudice or affect the general application of section 6 of the General Clauses Act, 1897, with regard to the effect of repeal.

DROUPADI MURMU,
President.

DR.RAJIVMANI,
Secretary to the Govt. of India.

विवाह के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

27 वर्षीय युवती के लिए योग्य वर की आवश्यकता है, जो अभी Ph.D. कर रही है। वर की आयु 27–31 वर्ष के बीच होनी चाहिए, वह पासवान/दुसाध समुदाय से हो और सरकारी नौकरी करता हो। अच्छे पढ़े–लिखे और प्रतिष्ठित परिवार को प्राथमिकता दी जाएगी।

सम्पर्क संख्या : 9451747103

शपथ पत्र

मैं, के. मुनिया स्वामी, पुत्र श्री एम. काथिरेसन, निवासी नयागांव ग्राम, श्री विजय पुरम तहसील, जिला दक्षिण अण्डमान, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से निम्नलिखित घोषणा करता हूँ:
1. कि मैं उपर्युक्त पते का निवासी हूँ।
2. कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों एवं पासपोर्ट संख्या R2289812 में मेरी माता का नाम तमिल सेल्वी के स्थान पर गलती से सेल्वी दर्ज हो गया है।
3. कि मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम तमिल सेल्वी, जो मेरे जन्म प्रमाण–पत्र में उल्लिखित है।
4. कि तमिल सेल्वी एवं सेल्वी (दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं)।
5. कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम एम. काथिरेसन के स्थान पर गलती से काथिरेसन दर्ज हो गया है।
6. कि मेरे पिता का सही एवं वास्तविक नाम एम. काथिरेसन है, जो मेरे जन्म प्रमाण–पत्र में उल्लिखित है।
7. कि एम. काथिरेसन एवं काथिरेसन दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
8. कि मैं यह शपथ पत्र अपनी माता का सही नाम तमिल सेल्वी तथा अपने पिता का सही नाम एम. काथिरेसन घोषित करने के उद्देश्य से निष्पादित कर रहा हूँ। उक्त सही नामों का उपयोग मेरे द्वारा सभी आवश्यक प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

अतः यह घोषित किया जाता है कि उपर्युक्त सभी कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

स्थान : श्री विजय पुरम शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं, राकेश कुजूर, पुत्र श्री जोसेफ कुजूर निवासी मजार पहाड़ ग्राम, श्री विजय पुरम तहसील, जिला दक्षिण अण्डमान, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :
1. कि मैं उपर्युक्त पते का निवासी हूँ।
2. कि मेरे विद्यालय के प्रमाण–पत्र एवं पासपोर्ट संख्या R2319354 में मेरी माता का नाम अंजाला केरकेट्टा गलती से दर्ज हो गया है, जबकि सही नाम अंजेला केरकेट्टा है।
3. कि मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम अंजेला केरकेट्टा है।
4. कि अंजाला केरकेट्टा एवं अंजेला केरकेट्टा दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
5. कि मैं यह शपथ पत्र अपनी माता का सही नाम अंजेला केरकेट्टा घोषित करने के उद्देश्य से निष्पादित कर रहा हूँ तथा आज की तिथि से उक्त सही नाम का उपयोग सभी आवश्यक प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

अतः यह घोषित किया जाता है कि उपर्युक्त सभी कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

स्थान : श्री विजय पुरम शपथकर्ता

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, होप टाउन की ओर से, निम्नलिखित कार्यो के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/आर आर/2025–26/159
कार्य का नाम : होप टाउन, ग्राम पंचायत के अंर्तगत चुन्ना बट्टा नॉर्थ बे 02 में बी. रामा राव घर से बी. गणपति घर तक सी सी फुटपाथ को सी सी रोड में परिवर्तित करना (पुनः निविदा)।
अनुमानित लागत : रु. 11,56,651/–, धरोहर राशि : रु. 23,133/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।
निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 03/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25494_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

टर्फ 2026 का 16वां संस्करण 20 नवंबर को

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने खेल कारोबार पर वैश्विक सम्मेलन और इंडिया स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स के 16वें संस्करण 'टर्फ 2026' की घोषणा की है। इसका आयोजन 20 नवंबर को नई दिल्ली स्थित फेडरेशन हाउस में किया जाएगा। इस बार फ्रांस सम्मेलन का साझेदार देश होगा। सम्मेलन की थीम 'भारत की खेल अर्थव्यवस्था को गति देना : साझेदारी, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व' रखी गई है। फिक्की की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सम्मेलन में फ्रांस का एक खेल प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेगा, जिसमें बिजनेस फ्रांस, चूज पेरिस रीजन, अटूट फ्रांस, आईएनएसईपी, अल्कोर इक्विपमेंट और ग्रुप एबीईओ के प्रतिनिधि शामिल होंगे।